SHRIMATI S. PHANGNON KONYAK (Nagaland): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. FAUZIA KHAN (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI M. MOHAMED ABDULLA (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI ABIR RANJAN BISWAS (West Bengal): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI SUJEET KUMAR (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

श्री सुरेन्द्र सिंह नागर (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री विजय पाल सिंह तोमर (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

Frequent road accidents on NH-03 near Ganesh Ghat in Dhar District of Madhya Pradesh

डा. सुमेर सिंह सोलंकी (मध्य प्रदेश): सभापति महोदय, आपने मुझे अपनी बात रखने का मौका दिया इसके लिए आपका धन्यवाद। नर्मदे हर! माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार एवं सदन का ध्यान एक महत्वपूर्ण विषय की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। महोदय, भारत का सड़क नेटवर्क दुनिया का सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क है और विगत आठ वर्षों में माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कार्यकाल में इसका विस्तार बहुत तेजी से हो रहा है। दुर्घटनाएं सामान्यत: होती हैं, लेकिन किन्हीं निश्चित स्थानों पर होना गंभीर चिंता का विषय है।

माननीय सभापति महोदय, मैं मध्य प्रदेश के निमाड़ क्षेत्र का रहने वाला हूं। आज देश में लगभग सभी लोग निमाड़ क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले धार जिले में स्थित खलघाट-मानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-3 के मध्य होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के बारे में जानते हैं। इस मार्ग पर न जाने कितनी माताओं ने अपने बेटों को, बहनों ने अपने भाइयों को और छोटे-छोटे मासूम बच्चों ने अपने माता-पिता व अन्य सगे संबंधियों को खोया है और ये दुर्घटनाएं निरंतर बनी हुई हैं। महोदय, इस मार्ग के गणेश घाट पर दो किलोमीटर के दायरे में सैकड़ों दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जो अब निरंतर होने वाली घटनाओं का स्थान बन चुका है। यह एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। इसका निराकरण अविलंब होना चाहिए। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, आज मैं सदन के समक्ष खलघाट-मानपुर, जिसकी दूरी लगभग 50 किलोमीटर है, इसके संबंध में सड़क दुर्घटनाओं के विषय पर हुए एक अध्ययन का जिक्र करना चाहूंगा, जिसके अनुसार वर्ष 2016 से 2018 तक कुल 978 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिसमें 1,267 लोगों की मृत्यु हुई है। इस दौरान वर्ष 2016 से 2018 के बीच 626 माइनर बच्चों एवं न जाने कितने नौजवानों की जीवन लीला समाप्त हो चुकी है। क्षेत्र की जनता ने इस सड़क मार्ग गणेश घाट पर होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए और मार्ग की तकनीकी खामियों को दूर करने के लिए कई बार मांग की है, जो आज भी लंबित है।

माननीय सभापति महोदय, मेरा सरकार एवं माननीय परिवहन मंत्री से विनम्र आग्रह और निवेदन है कि इस सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं से बचने के लिए ठोस से ठोस कदम उठाने की जरूरत है और इसका कोई मूल्यांकन होना चाहिए ...**(समय की घंटी)**... ताकि कोई मां अपने लाल को न खोए और कोई बहन अपने भाई को राखी बांधने से वंचित नहीं रहे। मेरा यही विनम्र आग्रह है। जय हिन्द, नर्मदे हर!

DR. SANTANU SEN (West Bengal): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. FAUZIA KHAN (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI M. MOHAMED ABDULLA (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI ABIR RANJAN BISWAS (West Bengal): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.